सुविचार- अगर आप दूसरों के बारे में भी सोचते हैं तो आप सच्चे इंसान हैं.

कहानी

शरारती टॉमी को सबक

एक समय की बात है, घने जंगल में टॉमी नाम का एक शरारती खरगोश रहता था. टॉमी का दिन बिना शरारत के पूरा नहीं होता था. वह जंगल के छोटे-छोटे जानवरों को परेशान करने में मज़ा लेता था, खासकर उनसे मज़ाक उड़ाने में. उसकी चंचल आँखें और फुर्तीली टाँगें उसे हर शरारत में कामयाब बनाती थीं. एक दिन उसकी नज़र चींकी चिड़िया के नवजात बच्चों

पर पड़ी.

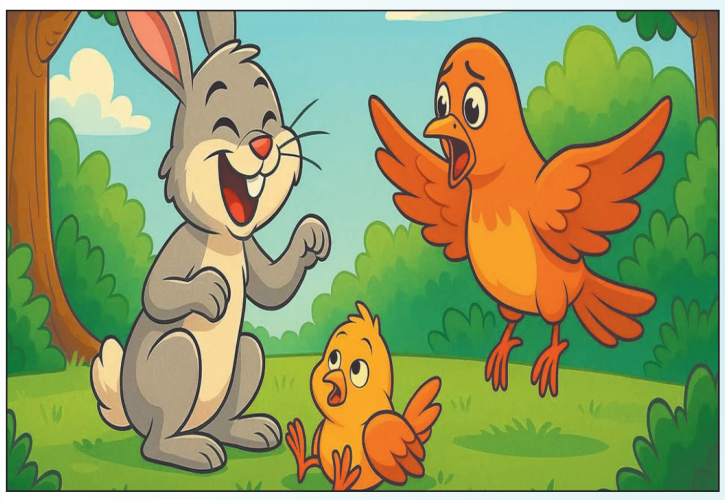

टॉमी ने चींकी को बुलाया, अरे चींकी, जरा अपने बच्चों को मेरे पास भेजो. कल रात मुझे एक अजीब सपना आया, उसे तुम्हें सुनाऊंगा! चींकी ने सावधानी से पूछा, भाई टॉमी, सपना क्या था? टॉमी हंसते हुए बोला, मैंने सपने में तुम्हारे एक बच्चे को अपनी पीठ पर बिठाया और पूरे जंगल में घूमा! चींकी का छोटा सा बच्चा, जो अभी उड़ना भी ठीक से नहीं सीखा था, टॉमी के पास आया. टॉमी ने उसे अपनी पीठ पर चढ़ाया, लेकिन उसका वजन न संभाल पाने के कारण बच्चा नीचे गिर पड़ा. चींकी की चीख से जंगल गूंज उठा, और उसने अपने बच्चे को गोद में उठाकर भाग लिया. टॉमी ज़ोर-ज़ोर से हंसता रहा, मानो उसने कोई बड़ी जीत हासिल कर ली हो.

अगले दिन टॉमी की नज़र पिंकी गिलहरी पर पड़ी, जो पेड़ पर मूंगफलियाँ जमा कर रही थी. टॉमी ने शरारती लहज़े में कहा, अरे पिंकी, कल रात तुम मेरे सपने में आई थीं! पिंकी ने आश्चर्य से पूछा, तो फिर, भाई साहब? टॉमी बोला, तुमने मेरे सारे अखरोट चुरा लिए थे. अब इन मूंगफलियों से हिसाब चुकता करो! कहते हुए उसने पिंकी की मेहनत से जमा मूंगफलियाँ छीन ली. पिंकी की आँखों में आँसू आ गए, लेकिन टॉमी को क्या परवाह! वह अपनी टोकरी लेकर उछलता हुआ चला गया.

पिंकी दुखी मन से अपनी सहेली मिन्टी बिल्ली के पास गई. उसने सारी बात बताई, मिन्टी दीदी, टॉमी ने मेरी मूंगफलियाँ छीन लीं. अब क्या करूँ? मिन्टी ने गंभीरता से सुना और कहा, चिंता मत कर, पिंकी. मैं इसे एक सबक सिखाऊँगी. तू बस मेरी बात मान. मिन्टी ने पिंकी के कान में एक योजना फुसफुसाई, जिसे सुनकर पिंकी की शिकन भरी चेहरा पर मुस्कान लौट आई.

दूसरे दिन सुबह पिंकी ने टॉमी को बुलाया, भाई टॉमी, कल तुमने कहा था कि मैंने अखरोट खाए थे. मैं उन्हें वापस लौटाने आई हूँ. साथ में एक नया सपना भी सुनाऊँगी! अखरोट का नाम सुनते ही टॉमी का मुँह ललचाया. वह बिना सोचे-समझे पिंकी के पीछे-पीछे चला गया, जहाँ मिन्टी एक झाड़ी के पीछे छुपी थी.

पिंकी ने एक अखरोट तोड़ा और टॉमी को दिखाया, लो, यह ले लो. जैसे ही टॉमी ने अखरोट की ओर हाथ बढ़ाया, मिन्टी झाड़ी से कूद पड़ी और उसे दबोच लिया. टॉमी की हवा निकल गई. वह घबराकर चिल्लाया, मिन्टी मौसी, मुझे छोड़ दो! यह मेरा मज़ाक था, गलती हो गई! मिन्टी ने सख्त लहज़े में कहा, वनदेवी ने मुझे सपने में आदेश दिया कि मैं तुम्हें सबक सिखाऊँ. अब बोलो, क्या करूँ?

टॉमी ने गिड़गिड़ाते हुए कहा, माफ कर दो, मौसी. अब से मैं शरारत नहीं करूँगा. सपने भी नहीं देखूँगा, अगर आए तो भूल जाऊँगा. बस एक बार जान बख्श दो! मिन्टी ने उसकी हालत देखकर दया की और उसे छोड़ दिया. टॉमी ने राहत की सांस ली और मन ही मन सोचा, जान बची तो लाखों पाए!

टॉमी डर के मारे जंगल से भागा और घर पहुँचकर छिप गया. उस दिन के बाद उसने शरारत छोड़ दी. धीरे-धीरे जंगल के जानवरों ने उसे माफ कर दिया. एक दिन पिंकी ने उसे बुलाया और कहा, टॉमी भाई, अब तो सब ठीक है. आओ, साथ में मूंगफलियाँ बाँटें. टॉमी ने शर्मिंदगी से सिर झुकाया और बोला, पिंकी, मैंने गलती की. अब से दोस्ती निभाऊँगा. मिन्टी भी मुस्कुराई और बोली, ठीक है, लेकिन शरारत याद रखना, इसका अंजाम भी वही होता है. टॉमी ने जंगल में एक नई शुरुआत की. वह बच्चों को अपनी कहानी सुनाता और कहता, दोस्तों, शरारत से बचो, वरना मिन्टी जैसी बिल्ली तुम्हें पकड़ लेगी! जंगल के बच्चे हंसते-हंसते उसकी बात मानने लगे, और टॉमी एक अच्छा दोस्त बन गया.

सीख

शरारत से बचना चाहिए और दूसरों का सम्मान करना चाहिए. गलती से सबक लेकर अपनी आदतें बदलने से जीवन में नई राहें खुलती हैं. मेहनत और सच्चाई से दोस्ती मजबूत होती है.

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

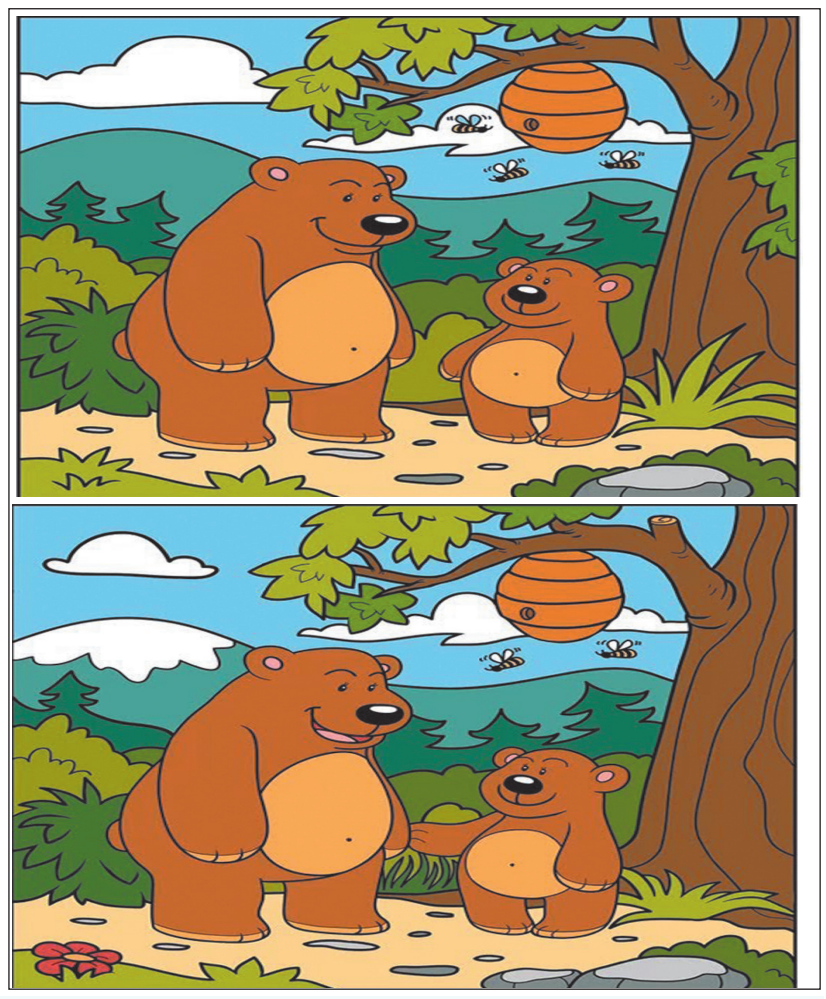

उत्तर-1. आकाश में बादल, 2. पेड़ की डाल, 3. भालू के चेहरे में अंतर, 4. बड़े पेड़ के तने के नीचे लगी हुई घास, 5. छोटे भालू का हाथ, 6. नीचे रखा हुआ फूल गायब, 7. आकाश में तितली की संख्या

प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का जीवन परिचय

प्रतिभा देवीसिंह पाटिल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति थीं, जिन्होंने 2007 से 2012 तक इस पद को सुशोभित किया. उनका जन्म 19 दिसंबर 1934 को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के नदगांव गाँव में हुआ था. उनके पिता का नाम नारायण राव पाटिल था. शिक्षा के प्रति उनकी गहरी रुचि थी; उन्होंने जलगांव के मूलजी जेठा कॉलेज से राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की और मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से विधि स्नातक की उपाधि हासिल की. शिक्षा पूर्ण करने के बाद, उन्होंने जलगांव जिला न्यायालय में वकालत की और महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहीं.

7 जुलाई 1965 को प्रतिभा पाटिल का विवाह देवीसिंह रामसिंह शेखावत से हुआ. उनके पति रसायन विज्ञान के व्याख्याता थे और बाद में अमरावती के प्रथम महापौर बने. इस दंपति के दो संतानें हैं- पुत्र रावसाहेब शेखावत, जो एक राजनीतिज्ञ हैं, और पुत्री ज्योति राठौर.

राजनीतिक सफर- प्रतिभा पाटिल ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1962 में की, जब वे महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनी गईं. वहां उन्होंने 1985 तक विभिन्न पदों पर कार्य किया, जिसमें उप-मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के पद शामिल हैं. 1991 से 1996 तक वे लोकसभा सदस्य रहीं और 2004 से 2007 तक राजस्थान की राज्यपाल रहीं. 2007 में, उन्होंने भारत की 12वीं राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, जिससे वे इस पद को धारण करने वाली पहली महिला बनीं.

सामाजिक योगदान और व्यवसायिक रुचि- महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति समर्पित, प्रतिभा पाटिल ने 1973 में जलगांव में %प्रतिभा महिला सहकारी बैंक% की स्थापना की, जिसका उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करना था. हालांकि, 2003 में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकिंग अनियमितताओं के कारण इस बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया.

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्राएं- राष्ट्रपति के रूप में, प्रतिभा पाटिल ने कई देशों की राजकीय यात्राएं कीं, जिनमें ब्राजील, मैक्सिको, चिली, वियतनाम, इंडोनेशिया, स्पेन, पोलैंड और रूस शामिल हैं. इन यात्राओं का उद्देश्य भारत के द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करना था.

प्रमुख उपलब्धियां-

भारत की पहली महिला राष्ट्रपति (2007-2012)

राजस्थान की पहली महिला राज्यपाल (2004-2007)

महाराष्ट्र विधानसभा की उप-मुख्यमंत्री और अध्यक्ष के रूप में सेवा

रोचक जानकारी

वो गुलाब का फूल जिसकी कीमत करोड़ों में

क्या आपको मालूम है कि एक गुलाब ऐसा भी है जिसकी कीमत करोड़ों में है और वो भी इतनी ज्यादा कि आप हैरान रह जाएं.

इस गुलाब के फूल को जूलियट रोज के नाम से जानते हैं. पहला जूलियट रोज 15 साल की मेहनत के बाद उगा था. तब पहले जूलियट रोज की कीमत करीब 130 करोड़ रुपये (15.8 मिलियन डॉलर) थी. हालांकि कुछ वेबसाइट पर इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर होने का दावा भी करती हैं.

इस गुलाब के फूल की भी कहानी है. फूल उगाने वाले यानि फ्लॉवरिस्ट डेविड ऑस्टिन ने पहले इसे उगाया. उन्होंने इसे अपनी फुलवारी में लगाया और धैर्य के साथ 15 सालों तक इसमें फूल आने का इंतजार करते रहे. इस बीच उन्होंने इसके पौधे की पूरी देखरेख की. ये दरअसल मूल गुलाब या प्रकृति से स्वाभाविक तौर पर पैदा होने वाला गुलाब नहीं है बल्कि इसे कई दुर्लभ फूलों की ब्रीडिंग से तैयार किया गया. साल 2006 में इसे पहली बार बेचा गया.

वैसे दुनियाभर में 16 अलग-अलग रंग के गुलाब हैं. कई गुलाबों की नस्लों को मिलाकर तैयार किए गए जूलियट रोज की सबसे खास बात है उसकी महमोहक डिजाइन और आकर्षण अंदाज में थिरकती सी लगतीं पंखुरियां. गुलाब के फूल की यह किस्म दुनिया भर में काफी ज्यादा मशहूर है. इसकी अनोखी और अद्भुत खुशबू का भी अंदाज निराला होता है. इस फूल को उगाने वाले डेविड ऑस्टिन का कहना है कि जूलियट रोज की खुशबू काफी हल्की और मनमोहक है, जो किसी परफ्यूम की तरह महसूस होती है. इसमें करीब 40 पंखुरियां होती हैं.

जूलियट रोज की इसी मनमोहक खुशबू की वजह से ज्यादातर लोग इस गुलाब की तरफ आकर्षित होते हैं. ये अब गुलाबी, हल्के पीले और सुर्ख लाल रंगों में उगाया जा रहा है. गुलाब की ये किस्म अमेरिका और रूस में गजब लोकप्रिय है.

भूल भुलैया

चीनी के टुकड़े से जादू

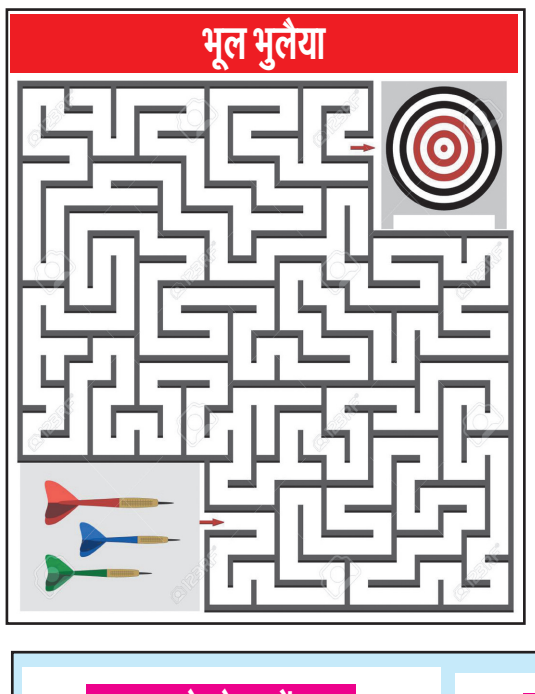

एक आसान और मज़ेदार जादू है, जो छोटे बच्चों को हैरान करने के लिए बिल्कुल सही है. इस जादू को करने के लिए आपको बस कुछ साधारण चीज़ों की ज़रूरत होगी—एक पेंसिल, एक चीनी का टुकड़ा, और एक पानी से भरा गिलास. यह जादू बच्चों के साथ खेलने और उन्हें खुश करने का एक शानदार तरीका है, क्योंकि इसमें रहस्य, मज़ा और थोड़ा-सा जादू शामिल है. इस जादू की खासियत यह है कि इसमें आप अपने दोस्तों को शामिल कर सकते हैं और उन्हें ऐसा अहसास करा सकते हैं कि आप सचमुच जादूगर हैं! जादू में एक दोस्त द्वारा चुना गया नंबर चीनी के टुकड़े पर लिखा जाता है, और फिर वह टुकड़ा पानी में डाल दिया जाता है. इसके बाद, जब आप अपने दोस्त का हाथ पानी के ऊपर रखते हैं

और जादू कहते हैं, तो हैरानी की बात—वह नंबर उसके हाथ पर छप जाता है! यह जादू बच्चों को बड़ा मज़ेदार लगता है, क्योंकि वे समझ नहीं पाते कि यह कैसे हुआ.

सामग्री-1. पेंसिल, 2.चीनी का टुकड़ा, 3. पानी का गिलास

इस जादू को करने के लिए आपको दोस्तों को इक्ट्ठा करना पड़ेगा. फिर आप उन दोस्तों में से किसी एक को अपने पास बुलाकर उनको 1 से 10 के बीच में से कोई नंबर चुनकर चीनी के टुकड़े पर लिखने के लिए कहे. फिर चीनी के टुकड़े को पानी से भरे हुए गिलास में डाल दें. इसके बाद आप कहें चीनी का टुकड़ा पानी में जा चुका है. अब आप उस दोस्तों का, जिससे आपने नंबर लिखवाया था, का हाथ पकड़कर पानी के ऊपर रखे और फिर उसका हाथ उठाकर कहें जादू! आप देखेंगे कि नंबर उस इंसान के हाथों पर लिखा होगा.

जादू का राज़- जब वो दोस्तों नंबर को चुनेगा तो उस नंबर को पेंसिल की मदद से चीनी के टुकड़े पर गाढ़ा करके लिखें. फिर उस टुकड़े को अपने अंगूठे और एक उंगली के बीच में ज़ोर से दबाए ताकि लिखा हुआ नंबर आपके अंगूठे पर छप जाएं. फिर उस टुकड़े को जब आप पानी में डालेंगे तो उस दोस्तों को बुलाएं जिसने चीनी के टुकड़े पर नंबर लिखा था. जब आप उस इंसान का हाथ पानी के ऊपर रखें तो ध्यान दें कि आपका अंगूठा जिसपर नंबर छपा हुआ है उस इंसान की हथेली लगाए ताकि जो नंबर आपके अंगूठे पर था वो उसकी हथेली पर छप जाएं.

कविता

गुड़िया की आंखों में सपने

नन्ही गुड़िया की आंखों में
सपने नए पुराने हैं,
कुछ रखे किताबों में
कुछ रखे सिरहाने हैं.
शोर मचाते देखो सपने,
दौड़ लगाते देखो सपने,
कुछ के चेहरे भूल गई हूं
पर कुछ तो पहचाने हैं.
नन्ही गुड़िया की आंखों में
सपने नए पुराने हैं.

सपने भीतर झांक रहे हैं,
मूल्य अपना आंक रहे हैं,
कुछ सपने हैं बिल्कुल बच्चे,
पर कुछ बड़े सयाने हैं.
नन्ही गुड़िया की आंखों में
सपने नए पुराने हैं.
थोड़ा सा तो हो ना बचपन.

बूझो तो जानें

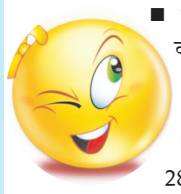

- वह क्या है जिसे इस्तेमाल करने से पहले तोड़ना पड़ता है?

  जवाब- अंडा

- साल के किस महीने में 28 दिन होते हैं?

  जवाब-साल के सभी महीनों में 28 दिन होते हैं.

- काला रंग मेरी शान, सबको मैं देता हूँ ज्ञान, शिक्षक करते मुझे पर काम, नाम बताकर बनो महान .

  जवाब- ब्लैकबोर्ड

- 2 बेटे और 2 पिता फिल्म देखने गए, उनके पास 3 टिकट थे, फिर भी सबने फिल्म देखी, कैसे?

  जवाब- क्योंकि वे 3 लोग ही थे, दादाजी, पिताजी और बेटा

- काला घोड़ा, सफेद सवारी, एक उतरा तो दूसरे की बारी .

  जवाब- तवा और रोटी

हंसी-ठिठोली

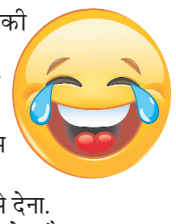

- चिंटू - बिल्कुल आपकी जिंदगी की तरह.
  बुजुर्ग - इसका क्या मतलब है?
  चिंटू - मतलब राम भरोसे.
- गोलू - भैयाजी 10 समोसे देना.
  समोसे वाला -पैक करके देना है?
  गोलू - नहीं, मैं पेन ड्राइव लाया हूं. उसमें समोसे नाम का फोल्डर बनाओ और डाल दो.
- हप्पू ने पापा को अपना रिजल्ट दिखाते हुए कहा पापा आप बहुत किस्मत वाले हो
  पापा - बेटा वह कैसे ?
  पप्पू - क्योंकि मैं अब फेल हो गया हूं और अब आपको मेरे लिए किताबें नहीं खरीदनी पड़ेगी.
- टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम.
  टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं.
  गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो.

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स , लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com **पर मेल करें .**

बिंदु मिलाओ

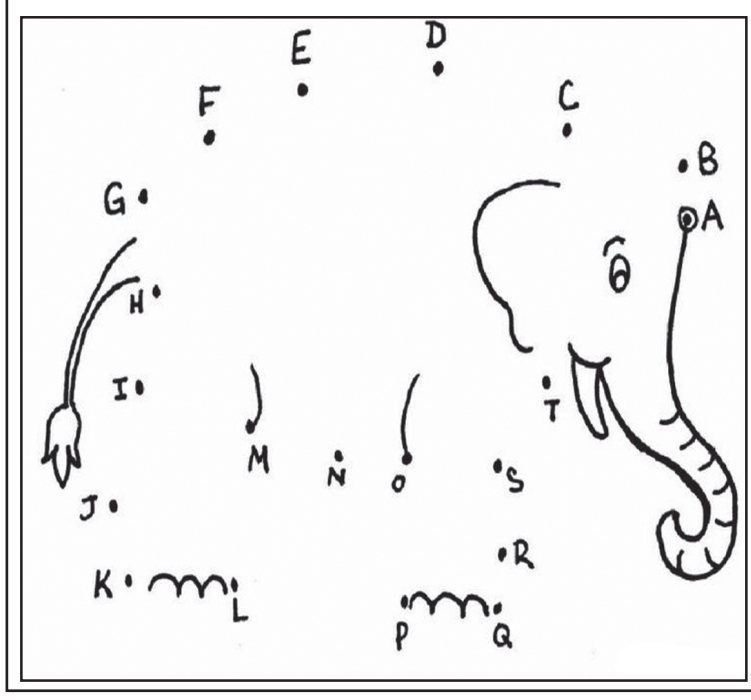

रंग भरो